ग्रेसिम समूह की सीएसआर गतिविधियां कर रही है प्रभावित

नागदा। विगत 50 वर्षों से आदित्य बिड़ला समूह की इकाई ग्रेसिम इंड्रस्ट्रीज सम्पूर्ण भारत में अपने उद्योगों के द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन में गुणात्मक अंतर लाने पर केंद्रित रही है। इसके अलावा ग्रेसिम समूह जिला ग्रामीण विकास विभागए स्वास्थ्य विभागए ग्राम पंचायत तथा जिला पशुपालन विभागए जिला कृषि विभाग एवं जिला उद्यानिकी विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 55 गांवों और 25 शहरी झुग्गी बस्तियों में 97 हजार लोगों के भविष्य को बेहतर बनाने के कार्य कर रहा है। समूह की अध्यक्षता श्रीमती राजश्री बिड़ला के नेतृत्व में दक्ष लोगों की एक टीम सीएसआर कार्यक्रमों के द्वारा आदित्य बिड़ला सामुदायिक विकास केंद्र और ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में रूकावट ग़रीबी को हटाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सामुदायिक स्वास्थ्य : नागदा क्षेत्र में उससे लगे हुए लगभग 350 ग्रामीण बस्तियों में इंदूभाई पारेख हॉस्पिटल के माध्यम से उच्च गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाएं अत्यंत कम दर पर उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रत्येक वर्ष लाखों लोग इससे लाभान्वित होते है। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को मजबूत बनाने के लिए उद्योग द्वारा 42 गांवों में 1ए340 शौचालयों का निर्माण करने में सहायता की गई।

शिक्षा : ग्रेसिम द्वारा आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल के माध्यम से 4000 विद्यार्थियों को उच्च प्रशिक्षित स्टाफके द्वारा शिक्षित किया जा रहा है। साथ ही बालिका शिक्षा पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ग्रेसिम की सीएसआर गतिविधियों में सरकारी स्कूल भी शामिल है। इसके अंतर्गत 16 गांवों के 1300 विद्यार्थी लाभान्वित हुए है।

सतत विकास : ग्रेसिम के दक्षता संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत सैकड़ों बालिकाओं को सिलाई प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से ये युवा महिलाएं सामाजिक बदलाव की प्रतीक बनी है। प्रधानमंत्री के बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओं के सन्देश को अपनाते हुए उद्योग ने 466 महिलाओं को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया है। ग्रेसिम उद्योग के सीएसआर के अंतर्गत किसानों को परंपरागत कृषि के स्थान पर उद्यानिकी फसलों जैसे . नींबूए संतरा कि ओर प्रेरित किया जा रहा है। डेयरी फार्म के द्वारा दुग्ध उत्पादन में भी बहुत सुधार हुआ है।